www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 150 | जौनपुर बुधवार, 14 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नवीन पटनायक ने की अपने 10 विधायकों के साथ बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सोमवार को बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने अपने 50 में से 10 विधायकों के साथ बैठक की। एक नेता ने बताया कि इस बैठक में विधायकों से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए कहा गया। 2024 में चुनाव हारने के बाद नवीन पटनायक और बीजेडी एक बाद फिर राज्य में अपनी जमीन तलाशने की कोशिश कर रही है। उन्होंने विधायकों को लोगों से सीधे संपर्क करने का आग्रह किया। इस बैठक में विधायकों को निर्वाचन क्षेत्र के विकास, संगठनात्मक मामलों और लोगों की शिकायतों के लिए काम करने के बारे में कहा गया। बीजेडी के एक नेता के अनुसार विपक्ष की मुख्य सचेतक और पूर्व विधायक प्रमिला मलिक भी इस बैठक का हिस्सा थीं। पार्टी के एक बयान में कहा गया है कि बीजेडी प्रमुख ने विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों की नियमित रूप से निगरानी करने की भी सलाह दी।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा सरकारी नौकरी पर हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरी के आवेदन में आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाने वाले युवक को राहत देने से इनकार कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से युवक को अपनी सरकारी नौकरी गंवानी पड़ेगी, क्योंकि उसने भर्ती के समय अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई थी। कोर्ट ने कहा कि सहानुभूति कानून की जगह नहीं ले सकती। यह जानकारी छिपाना कोई छोटी–मोटी बात नहीं, बल्कि सरकारी नौकरी के लिए एक बुनियादी शर्त है।जस्टिस संजय करोल और एनके सिंह की बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा, शकि कानून भले ही कठोर हो लेकिन कानून तो कानून है।श सर्वोच्च अदालत ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि यह जानकारी छिपाना मामूली बात थी और इस आधार पर नियुक्ति रद्द नहीं की जा सकती।सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को रद्द करते हुए कहा कि यह कानून में तय है कि सहानुभूति कानून का विकल्प नहीं हो सकती। हम समझते हैं कि सरकारी नौकरी खोना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन अपने कामों के नतीजों को जानना भी जरूरी है। सरकारी नौकरी के आवेदन में पूरी और सही जानकारी देना सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है।यह निष्पक्षता, ईमानदारी और जनता के भरोसे की एक बुनियादी जरूरत है। एक पद के लिए सैकड़ों या हजारों लोग आवेदन करते हैं, सभी एक ही शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। हर उम्मीदवार की सावधानीपूर्वक जांच करना बहुत जरूरी है ताकि सभी को बराबरी का मौका मिले और चयन प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनी रहे।श्अदालत ने कहा, श्जब कोई उम्मीदवार अपने आपराधिक इतिहास की जानकारी छिपाता है, तो वह इस प्रक्रिया को कमजोर करता है।

प्रगति' नए भारत की कार्यसंस्कृति का प्रतीक, यूपी बना इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रो–एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन (प्रगति) केवल बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा का मंच नहीं, बल्कि नए भारत की नई कार्यसंस्कृति और परिणामोन्मुख शासन का सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटेंट, टेक्नोलॉजी और अकाउंटेबिलिटी के समन्वय से शासन में ठोस और समयबद्ध परिणाम सुनिश्चित हो रहे हैं। मंगलवार को आयोजित एक विशेष प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रगति उस प्रशासनिक मॉडल का विस्तार है, जिसकी नींव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए रखी थी और वर्ष 2014 के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती दी गई। उन्होंने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस और कोऑपरेटिव फेडरलिज्म को सशक्त बनाते हुए प्रगति ने जटिल परियोजनाओं और प्रशासनिक अड़चनों के समाधान को सरल और तेज बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति केवल एक रिव्यू मैकेनिज्म नहीं, बल्कि एक व्यापक गवर्नेंस रिफॉर्म है, जिसने शासन को फाइल–केंद्रित संस्कृति से निकालकर फील्ड–आधारित परिणामों की दिशा में अग्रसर किया है। इसके माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में तेजी आई है, समय और लागत की बर्बादी रुकी है और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय के साथ स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। उन्होंने बताया कि प्रगति मॉडल की अवधारणा वर्ष 2003 में गुजरात में 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन गवर्नेंस बाई एप्लिकेशन) के रूप में शुरू हुई थी, जिसका उद्देश्य नागरिक शिकायतों के त्वरित निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना था।

बिहार में बुजुर्गों को अब घर पर मिलेगी जमीन-फ्लैट की रजिस्ट्री की सुविधा : नीतीश कुमार

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य के 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को उनके घर पर ही जमीन या फ्लैट की निबंधन (रजिस्ट्री) सुविधा उपलब्ध कराने का ऐलान किया। यह सुविधा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा संचालित चलंत निबंधन इकाई (मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट) के माध्यम से निश्चित समय–सीमा के भीतर प्रदान की जाएगी, जिसमें आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह नयी व्यवस्था एक अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि कई बार यह देखा गया है कि 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को जमीन या फ्लैट की रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों के निष्पादन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी के मद्देनजर उन्हें सहूलियत देने और अनावश्यक परेशानियों से बचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जमीन खरीदने के इच्छुक लोगों को कई बार संबंधित भूमि की अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती। इसे ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्री से पूर्व भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी क्रेता और विक्रेता दोनों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके तहत आवेदकों के अनुरोध पर निबंधन विभाग अंचल कार्यालय से भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर क्रेता को उपलब्ध कराएगा। इससे आवेदकों को जमीन के बारे में सही और प्रामाणिक जानकारी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 नवंबर 2025 को राज्य में नयी सरकार के गठन के बाद 'सात निश्चय–3' कार्यक्रमों को लागू किया गया है, जिनका उद्देश्य बिहार को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है। 'सात निश्चय–3' के अंतर्गत सातवां निश्चय 'सबका सम्मान–जीवन आसान' (ईज ऑफ लिविंग) है।

केरल का नाम बदलने के प्रस्ताव को भाजपा का समर्थन

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। केरल का नाम बदलने के एलडीएफ सरकार के प्रस्ताव को केरल भाजपा ने भी समर्थन दिया है। भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। दरअसल केरल की एलडीएफ सरकार ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव दिया है। राज्य की भाजपा इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को पत्र लिखकर अपना समर्थन दिया है। पत्र में चंद्रशेखर ने लिखा कि नाम बदलने से राज्य में कट्टरपंथी ताकतों पर नकेल कसने में मदद मिलेगी, जो धर्म के आधार पर राज्य में अलग–अलग जिले बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। चंद्रशेखर ने बताया कि राज्य विधानसभा इस प्रस्ताव को पारित कर चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा भाषा, संस्कृति और परंपराओं को बचाने में आधारित है और भाजपा केरल को हमेशा केरलम के रूप में ही देखती है क्योंकि इस राज्य का हजारों वर्षों का इतिहास और संस्कृति है। चंद्रशेखर ने केरल के सीएम को भी पत्र लिखा और उम्मीद जताई कि केरल सुरक्षित और विकसित बनेगा, जहां सभी मलयाली लोग मिलकर रह सकेंगे। केरल विधानसभा ने अगस्त 2024 को एकमत होकर एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें केरल का नाम बदलकर केरलम करने की मांग की गई थी। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार से मांग की गई थी कि राज्य का नाम बदलकर केरलम कर दिया जाए और संविधान की आठवीं अनुसूची में भी नाम बदला जाए।

गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलकर विरासत को आगे बढ़ाना होगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 को लेकर कहा है कि नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स से शुरू हुआ सिलसिला अब शरिफॉर्म एक्सप्रेसश बन चुका है और इसके केंद्र में देश की युवा शक्ति है। पीएम मोदी ने कहा कि गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलकर हमें अपनी विरासत और अपने विचारों को हमेशा आगे रखना है।प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के अपने भाषण के कुछ वीडियो शेयर किए। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, बीते 11 सालों से देश के हर सेक्टर में संभावनाओं के अनंत द्वार खुल रहे हैं। कंटेंट और क्रिएटिविटी इन्हीं में शामिल है, जहां हमारे युवा साथी रामायण और महाभारत की प्रेरक कहानियों को भी गेमिंग वर्ल्ड का हिस्सा बना सकते हैं। यहां तक कि हमारे हनुमान जी ही पूरी दुनिया की गेमिंग को चला सकते हैं।उन्होंने आगे लिखा, हमने नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स का जो सिलसिला शुरू किया है, वो अब रिफॉर्म एक्सप्रेस बन चुका है। इसके केंद्र में हमारी युवा शक्ति ही है। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलकर हमें अपनी विरासत और अपने आइडियाज को हमेशा आगे रखना है। स्वामी विवेकानंद जी का जीवन भी हमें यही सिखाता है। राष्ट्रीय युवा दिवसश के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के समापन सत्र में हिस्सा लिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रवासी समुदाय के युवा प्रतिनिधियों समेत देश भर के लगभग तीन हजार युवा नेताओं के साथ बातचीत की। चुने हुए प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित दस अलग–अलग विषयों पर प्रधानमंत्री के सामने अपनी अंतिम प्रस्तुतियां भी दीं।युवाओं के नाम संदेश में पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

लक्षद्वीप में नौसेना का : बहु-विशेषज्ञ मेगा मेडिकल व सर्जिकल शिविर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सशस्त्र बल शत्रु से देश की रक्षा तो करते ही हैं लेकिन अब नौसेना की एक पहल के अंतर्गत नागरिकों को गंभीर रोगों से बचाने की पहल भी की गई है। इसके अंतर्गत कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एंडोक्राइनोलॉजी सहित अनेक सुपर–स्पेशियलिटी सेवाओं में परामर्श, जांच तथा उपचार प्रदान किया जा रहा है। यह पहल केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप संघ में की गई है। यहां संयुक्त सेवाओं का बहु–विशेषज्ञ मेगा मेडिकल एवं सर्जिकल शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की परिकल्पना के अनुरूप आयोजित किया गया है। 13 जनवरी को कवरत्ती स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में इसका औपचारिक उद्घाटन नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने किया। यह कैंप 17 जनवरी तक चलेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मुताबिक विशाल पैमाने का इस चिकित्सा शिविर का आयोजन भारतीय नौसेना द्वारा किया गया है। यह दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि व्यापक स्वास्थ्य जांच, शीघ्र निदान, समय पर चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक चिकित्सा हस्तक्षेप तथा निशुल्क दवाओं का वितरण द्वीप समुदाय के लिए दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करेगा। भारतीय नौसेना द्वारा यह बहु–विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर लक्षद्वीप के पांच द्वीपों अमीनी, एंड्रॉथ, अगत्ती, कवरत्ती और मिनिकॉय में आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य द्वीपवासियों को व्यापक, सुलभ और समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। पांच दिवसीय इस शिविर में कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एंडोक्राइनोलॉजी सहित अनेक बुनियादी एवं सुपर–स्पेशियलिटी सेवाओं में परामर्श, जांच तथा उपचार प्रदान किया जा रहा है। कवरत्ती में विशेष रूप से तैनात नेत्र विज्ञान टीम द्वारा पात्र रोगियों के लिए मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जा रहे हैं। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत देश के सबसे दूरदराज क्षेत्रों में भी प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की समान पहुंच सुनिश्चित की जा रही है।

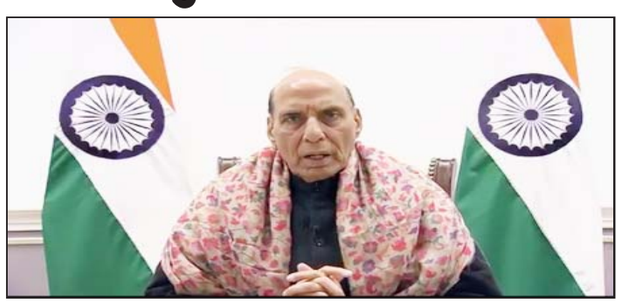

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जाएगा : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमला देश के आत्मसम्मान और धार्मिक आस्था पर प्रहार माना जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कई बार ध्वस्त होने के बावजूद, यह मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि सनातन धर्म को ठेस पहुंचाना आसान नहीं है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पूरा वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जाएगा। मानसा नगरपालिका के विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में उपस्थित शाह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमले ऐतिहासिक रूप से देश के आत्मसम्मान और धार्मिक आस्था पर प्रहार के रूप में देखे जाते रहे हैं, लेकिन ये प्रयास सनातन धर्म को कमजोर करने में विफल रहे। शाह ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सोमनाथ पर हुए हमले को आत्मसम्मान और धर्म पर हमला माना गया और आत्मसम्मान की रक्षा की गई। 16 बार नष्ट होने के बावजूद, भव्य सोमनाथ मंदिर दृढ़ता से खड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि मंदिर की अटूट उपस्थिति विश्व को एक सशक्त संदेश देती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह पूरे विश्व को संदेश देता है कि सनातन धर्म और भारत के लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाना आसान नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि पूरे वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जाएगा। इस बीच, गुजरात सरकार ने जनभावनाओं और मांगों को ध्यान में रखते हुए सोमनाथ में श्सोमनाथ स्वाभिमान पर्वश का उत्सव 15 जनवरी तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 8 से 11 जनवरी तक सोमनाथ में श्सोमनाथ स्वाभिमान पर्वश का भव्य आयोजन किया गया।

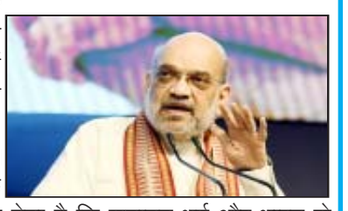

भाजपा की राष्ट्र प्रथम विचारधारा अब गुंडे और चोर प्रथम में बदल गई है : उद्धव ठाकरे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी ने अपनी पुरानी ''राष्ट्र प्रथम'' की विचारधारा को त्याग कर अब गुंडे और चोर प्रथम का नारा अपना लिया है। ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी पर भाषाई और धार्मिक आधार पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। ठाणे में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के साथ एक संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा कि वह पुरानी भाजपा मर चुकी है'' जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखती थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई और ठाणे के अगले महापौर केवल महाराष्ट्रीयन होंगे। अपने प्रतिद्वंद्वी और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर उन्हीं के गृहक्षेत्र में निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा शिंदे का इस्तेमाल करो और फेंको की नीति अपनाएगी। उद्धव ने कहा, हम मोदी या भाजपा के नहीं, बल्कि देशभक्त और महाराष्ट्र के भक्त हैं। उन्होंने लोगों से शिवसेना (उबाठा)–मनसे गठबंधन को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि यह चुनाव जीवन की दिशा तय करने वाला है। उद्धव ने मौजूदा राज्य सरकार को अब तक की सबसे बेशर्म सरकार बताते हुए कहा कि प्रदूषण और कुप्रबंधन के कारण मुंबई–ठाणे कचरे के ढेर में बदल गए हैं। इससे पहले, राज ठाकरे ने उद्योगपति गौतम अदाणी और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अदाणी समूह ने देश के हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर बंदूक की नोक पर कब्जा किया है। भाजपा द्वारा अदाणी के साथ उनकी तस्वीर साझा करने पर पलटवार करते हुए ।

22 भाषाओं में देख सकेंगे सदन की कार्यवाही : ओम बिरला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नए साल में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की पहल से संसद की कार्यवाही का चरित्र बदल जाएगा। बिरला के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये संसद की कार्यवाही के प्रसारण से लेकर सांसदों की सुविधा तक नए प्रयोगों ने बड़े परिवर्तन की नींव रख दी है। मसलन अगले साल संसद की कार्यवाही का प्रसारण सभी 27 अधिसूचित भाषाओं में होगा। इस साल मानसून सत्र में 22 भाषाओं में कार्यवाही का प्रसारण होगा। एआई के माध्यम से सांसदों को सत्र में तारांकित प्रश्न लगने की जिम्मेदारी तीन दिन पहले और उसका जवाब एक दिन पूर्व ही व्हाट्सएप के माध्यम से दे दी जाएगी। इससे सांसदों को पूरक सवाल की तैयारी करने का समय मिलेगा। लोकसभा की कार्यवाही इसी सत्र से एक घंटे के अंदर वेबसाइट पर मुहैया कराई जाएगी। बिरला ने कहा कि संसद की कार्यवाही के रूप में योजना भारत की विविधता को प्रदर्शित करने की है। इस संबंध में एआई की मदद ली जा रही है। पहले की तुलना में सांसदों को कई अन्य भाषाओं में सवाल पूछने या विचार रखने का विकल्प मिला है। हमारी योजना सभी अधिसूचित भाषाओं में यह सुविधा उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि इस सत्र में दस भाषाओं में प्रपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। आने वाले समय में इसकी संख्या बढ़ती जाएगी। बिरला ने बताया, राष्ट्रमंडल देशों के संसद के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का 28वां सम्मेलन 14 से 16 जनवरी तक दिल्ली में होगा। पीएम नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। इसमें पाकिस्तान और बांग्लादेश की भागीदारी नहीं होगी। बिरला ने इस बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, सम्मेलन में पाकिस्तान की भागीदारी नहीं रहेगी। जबकि बांग्लादेश में संसद भंग होने की वजह से उसकी सहभागिता नहीं पाएगी। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद पर सदन में ई–सिगरेट के इस्तेमाल संबंधी सवाल के जवाब में बिरला ने कहा कि जांच अपने अंतिम चरण में है। सदन की मर्यादा का उल्लंघन किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार और हर हाल में कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्पीकर ने बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकरों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसका उद्घाटन संविधान भवन में पीएम मोदी करेंगे।

संपादकीय

जमानत का पैमाना

खालिद और इमाम पांच साल से जेल में हैं, जबकि निचली अदालत में मुकदमे की जिरह तक अभी शुरू नहीं हुई है। क्या यह सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी नहीं है कि वह ऐसी देर के लिए भी जवाबदेही तय करे? फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के सिलसिले में गिरफ्तार नौजवानों की जमानत अर्जी पर फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने एक पैमाना कायम किया है। कोर्ट ने घटना में भागीदारी के श्रेणी क्रम्य के आधार पर तय किया कि पांच अभियुक्तों को जमानत दे दी जाए, लेकिन उमर खालिद और शरजील इमान को यह लाभ नहीं मिल सकता। साथ ही कोर्ट ने नागरिक अधिकारों के लिहाज से यह चिंताजनक व्यवस्था दी कि अवैध गतिविधि निरोधक कानून (यूएपीए) से जुड़े मामले की सुनवाई में देर जमानत का आधार नहीं बन सकती। बेहतर होता कि कोर्ट इस पर भी कोई टिप्पणी करता कि यह देर आखिर किस हद तक स्वीकार्य हो सकती है? खालिद और इमाम पांच साल से अधिक समय से जेल में हैं, जबकि निचली अदालत में मुकदमे की जिरह तक अभी शुरू नहीं हुई है। क्या यह सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी नहीं है कि वह ऐसी देर के लिए भी जवाबदेही तय करे? वरना, मुकदमे की प्रक्रिया ही दंड बन जाती है। वैसे सवाल यह भी है कि जब निचली अदालत में साक्ष्य का न्यायिक परीक्षण अभी नहीं हुआ है, तो फिर यह किस आधार पर तय किया जा सकता है कि किसी घटना में किस अभियुक्त की भागीदारी का स्तर क्या था? बल्कि निचली अदालत में तो दिल्ली दंगों के कुछ मामलों में पेश चार्जशीट और पुलिस जांच की गुणवत्ता पर न्यायाधीशों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। मुकदमे की कार्यवाही में उपरोक्त अभियुक्तों से संबंधित मामलों के साक्ष्य नहीं टिके, तो उनके जीवन के जो वर्ष जेल में गुजर रहे हैं, उसकी कैसे भरपाई होगी? दिल्ली दंगों के पीछे किसका हाथ था, इस बारे में अभी सिर्फ अभियोग पक्ष की सोच सामने है। अभियुक्तों की सोच मुकदमे में जिरह के दौरान सामने आएगी। दंगों के पीछे कौन था और किसने क्या भूमिका निभाई, इन सभी मुद्दों पर अभी कुछ तयशुदा रूप में नहीं कहा जा सकता। इसलिए उसकी साजिश में भागीदारी या उसमें श्रेणीबद्ध भूमिका की सारी बातें फिलहाल इल्जाम ही है। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इसे ही जमानत का पैमाना बनाया है। नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए यह चिंताजनक खबर है।

आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका

नीरज

ईरान में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका है। ईरान की सड़कों पर इस समय भयावह मंसार है। एक तरफ सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उबाल जारी है, तो वहीं प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है। लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भले खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे योग्य मानें, असल में वे युद्ध अपराधों और मासूमों की जान लेने के दोषी ठहराए जाने चाहिए। वेनेजुएला पर तो ट्रंप अपना दावा ठोंक ही चुके हैं, अभी उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की है, जिसमें वो खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति दिखा रहे हैं। किसी देश की संप्रभुता और सम्मान के साथ ऐसा मजाक आधुनिक सभ्यता में नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रंप सभ्यता, कूटनीति और नैतिकता के तकाजों को मानते ही नहीं हैं। उन्हें केवल मुनाफे की परिभाषा समझ आती है। ट्रंप ने वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड हड़पने की चेतावनी दी है। उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच बसा ग्रीनलैंड ट्रंप को अपने लिए सामरिक महत्व का लगता है, लेकिन केवल इस वजह से उस पर कब्जे की इजात नहीं दी जा सकती। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्द्धस्वायत्त वाला देश है, यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। डेनमार्क ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की, तो नाटो खत्म हो जाएगा। फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे बाकी देश भी अब ट्रंप से सावधान हो चुके हैं। जब अमेरिका की पूंजीवादी विस्तारवादी नीति एशिया या अफ्रीका के देशों को अपनी चपेट में लेती रही, तो ये यूरोपीय देश लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर अमेरिका का साथ देते आए। मगर अब खुद उन पर आंच आनी शुरु हुई तो उन्हें समझ आ रहा है कि–बहरहाल, यूरोपीय देशों को जो खतरा अब दिख रहा है, ईरान से उसे पहले ही भांप लिया था। हालांकि इसमें ईरानी शासन की अपनी खामियां भी हैं, लेकिन उसे अपने स्तर पर सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए, न कि इसमें बाहरी ताकतों का दखल होना चाहिए। इस समय ईरान में आर्थिक संकट से खड़े हुए आंदोलन के बाद तख्तापलट का खतरा बढ़ गया है। पिछले साल 28 दिसंबर को शुरू हुए जनआंदोलन में अब तक 5 सौ से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और 10 हजार से ज्यादा लोग बंदी बनाए गए हैं। 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद 47 साल में ऐसा आंदोलन कभी नहीं देखा गया। हालांकि इस बीच महसा अमीनी की मौत के बाद महिला अधिकारों को लेकर 2022 में आंदोलन हुआ था, लेकिन उसकी प्रकृति अलग थी।इन विरोध प्रदर्शनों पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि आतंकवादियों ने न केवल नागरिकों बल्कि सुरक्षा बलों को भी निशाना बनाया है, जिनका उद्देश्य देश को अस्थिर करना है। उनका यह भी कहना है कि सुरक्षाबलों ने जरूरत पड़ने लायक ही कार्रवाई की है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा जाता है, तो वह शोरदार हमला करेंगेश। ट्रंप ने कहा कि वह श्वहीं चोट देंगे, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगाश।श यह सड़कछाप भाषा ईरान का तेल हथियाने और उसके परमाणु कार्यक्रम बंद कराने के लिए है। पिछले साल इजरायल के जरिए एक बार यह कोशिश अमेरिका कर चुका है। इस बार ईरान के लोगों का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रंप ने साफ कहा है कि अमेरिका ईरानी शासन का विरोध करने वालों की मदद के लिए तैयार है। हालांकि ईरान ने इसके जवाब में कहा है कि अगर ऐसा होगा, तो वो क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों और उसके हितों पर हमला करेगा।इस बीच, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील की है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद रेजा पहलवी के पिता डू शाह पहलवी को सत्ता से हटा दिया गया था। अब डू पहलवी निर्वासन में रहकर आंदोलन को नेतृत्व करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बार पहलवी परिवार की वापसी की मांग वाले नारे भी सुने जा रहे हैं, इससे संकेत मिल रहे हैं कि कहीं ईरान में अपनी पिट्ठू सरकार बनाने की तैयारी तो अमेरिका की नहीं है।इधर ईरान में प्रदर्शन रोकने के लिए सरकार ने इंटरनेट ब्लैकआउट का सहारा लिया है, लेकिन यह कितना कारगर होगा, कहा नहीं जा सकता। अयातुल्लाह खामेनेई को सबसे पहले आर्थिक संकट दूर करने के उपाय तलाशने होंगे। ईरान की कमाई का सबसे बड़ा जरिया कच्चा तेल है। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पहले से ही ईरान पर कई तरह के

प्रतिबंध लगा रखे हैं। इससे ईरानी मुद्रा रियाल काफी गिरकर एक डॉलर के मुकाबले 14 लाख रियाल तक पहुंच चुकी है। प्रतिबंधों के कारण ईरान अन्य जरियों से अपना तेल सस्ते में बेचने पर मजबूर है। खरीदारों को आकर्षित करने के लिए अक्सर कार्गो पर छूट दी जाती है, फिर तेल को बिचौलियों और गुमनाम फर्मों के माध्यम से ले जाया जाता है। इन्हें अनाधिकृत टैंकरों में भरकर समुद्र के बीच में जहाज–से–जहाज ट्रांसफर जैसी जुगाड़ वाली तरकीबों से बेचा जाता है, इस वजह से काफी सस्ते में सौदा करना पड़ता है। ईरान ओपन डेटा के मुताबिक मार्च 2025 तक एक साल के दौरान ईरान ने तेल निर्यात से लगभग 23.2 बिलियन डॉलर कमाए। यही तेल अगर वैध तरीकों से बिकता तो 28 बिलियन डॉलर से अधिक की आय ईरान को हो सकती थी। अमेरिकी और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण ईरान की जीडीपी में हर साल 0.6. प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं करीब 1 करोड़ ईरानी गरीबी का शिकार हैं। ये सारे आंकड़े 2020 तक के हैं, इसके बाद छह सालों में हालात और बिगड़ चुके हैं। आर्थिक संकट बर्दाश्त से बाहर हुआ तो लोग सड़कों पर उतर आए और अब अमेरिका को दखल का मौका मिल रहा है। उसे रोकने के लिए ईरान सरकार जल्द से जल्द आर्थिक सुधार लागू करे और साथ ही धार्मिक कट्टरता कम करके उदार और प्रगतिशील साथियों की मदद ले, उसी से पूंजीवादी गिद्धों को दूर रखा जा सकेगा।

कोशिकाओं से चिप पर बन रहे हैं मानव अंग

मयांक

इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। मनुष्य के रोगों को बेहतर ढंग से समझने और उनका प्रभावी उपचार खोजने के लिए वैज्ञानिक निरंतर नए तरीके विकसित कर रहे हैं। कुछ वैज्ञानिक इंसानी कोशिकाओं से चिप पर शरीर के अंग उगा रहे हैं जबकि कुछ रिसर्चर अंगों के डिजिटल संस्करण बनाने की चेष्टा कर रहे हैं। इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल (लंग–ऑन–चिप) विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। दरअसल, फेफड़ों में एल्वियोली नामक हवा की थैली गैस के आदान–प्रदान के लिए आवश्यक जगह होती है और साथ ही यह थैली सांस से अंदर जाने वाले वायरस और बैक्टीरिया के खिलाफ अवरोधक का भी काम करती है। ये रोगाणु फ्लू या टीबी जैसी सांस की बीमारियां पैदा करते हैं। शोधकर्ता चिप पर फेफड़े बनाकर प्रयोगशाला में मानव कोशिकाओं और बैक्टीरिया के बीच होने वाले द्वंद्व को पुनर्निर्मित कर रहे हैं। प्लास्टिक की इस चिप पर मानव फेफड़ों की छोटी इकाइयां हैं जिनमें छोटी–छोटी नलियां और कम्पार्टमेंट होते हैं। इस मामले में, उनका मकसद हवा की थैलियों को फिर से बनाना था ताकि यह समझा जा सके कि वे संक्रमण पर कैसे प्रतिक्रिया करती हैं। अभी तक ये लंग ऑन–चिप डिवाइस मरीज से ली गई कोशिकाओं और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोशिकाओं के मिश्रण से बनाए जाते थे। इस तरह के चिप किसी एक व्यक्ति के फेफड़ों के काम या बीमारी की प्रगति को पूरी तरह से दोहरा नहीं सकते थे। इस अध्ययन में क्रिक की टीम ने चिप पर फेफड़े का एक नया मॉडल विकसित किया है, जिसमें सिर्फ एक डोनर की स्टेम कोशिकाओं से ली गई आनुवंशिक रूप से एक जैसी कोशिकाएं होती हैं। प्रयोगशाला द्वारा पहले विकसित की गई एक विधि के आधार पर शोधकर्ताओं ने प्लोरिपोटेंट (बहुक्षमता) स्टेम कोशिकाओं से 'एल्वियोलर एपिथेलियल' कोशिकाएं और 'वैस्कुलर एंडोथेलियल' कोशिकाएं बनाईं। ये ऐसी कोशिकाएं हैं जो शरीर में किसी भी कोशिका में विकसित हो सकती हैं। इन एपिथेलियल और एंडोथेलियल कोशिकाओं को एक बहुत पतली झिल्ली के ऊपर और नीचे अलग–अलग उगाया जाता है ताकि हवा की थैली के अवरोध को पुनर्निर्मित किया जा सके। इसके बाद, वैज्ञानिकों ने चिप में मैक्रोफेज नामक इम्यून कोशिकाएं डालीं, जिन्हें उसी डोनर की स्टेम कोशिकाओं से बनाया गया था। चिप में बीमारी के शुरुआती चरण निर्मित करने के लिए उन्होंने टीबी के बैक्टीरिया डाले। टीबी से संक्रमित चिप में टीम ने बड़े मैक्रोफेज समूह देखे। संक्रमण के पांच दिन बाद, एंडोथेलियल और एपिथेलियल कोशिकाओं के अवरोध टूट गए, जिससे पता चला कि हवा की थैली का फंक्शन खराब हो गया था। इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैक्स गुटिरेज ने कहा कि आज ऐसी तकनीकों की मांग बढ़ रही है जिनमें जानवरों के अंगों का प्रयोग नहीं होता। ऑर्गन–ऑन–चिप जैसे तरीके प्रयोगशाला में इंसानी सिस्टम को फिर से बनाने के लिए जरूरी होते जा रहे हैं क्योंकि जानवरों और इंसानों के बीच फेफड़ों की संरचना, इम्यून कोशिकाओं की बनावट और बीमारी के विकास में अंतर होता है। नई चिप से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि टीबी जैसे संक्रमण किसी व्यक्ति पर कैसे असर डालेंगे। साथ ही यह टेस्ट भी किया जा सकेगा कि एंटीबायोटिक्स जैसे उपचार कितने प्रभावी हैं। वैज्ञानिकों के अन्य दल ने चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का डिजिटल संस्करण बनाया है। हमारा मस्तिष्क ऊपर से अखरोट की गिरी जैसा दिखता है। इसकी उभरी हुई सिलवटों वाली सतह को सेरिब्रल कॉर्टेक्स कहा जाता है। ज्ञान और स्मृति जैसे अनेक उच्च स्तरीय संज्ञानात्मक कार्य मस्तिष्क के कॉर्टेक्स से जुड़े हुए हैं। दुनिया के वैज्ञानिक कॉर्टेक्स की गहन जांच करके मस्तिष्क की कार्य प्रणाली का अध्ययन करना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं के एक दल ने जापान के शक्तिशाली फुगाकू सुपरकम्प्यूटर का उपयोग करके चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का एक डिजिटल मॉडल बनाया है, जो अब तक बनाया गया सबसे बड़ा और सबसे वास्तविक मॉडल है। डिजिटल मस्तिष्क एक वास्तविक मस्तिष्क की तरह व्यवहार करता है, जिससे वैज्ञानिक रोग की प्रगति, तंत्रिका गतिशीलता और संभावित उपचारों का अध्ययन कर सकते हैं। जैविक डेटा सेट को शक्तिशाली मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के साथ जोड़कर अंतरराष्ट्रीय टीम ने साबित कर दिया है कि बड़े पैमाने पर जैवभौतिक रूप से सटीक मस्तिष्क मॉडल बनाना अब संभव है। चूहे के कॉर्टेक्स का यह पूरी तरह से डिजिटल संस्करण है। यह वैज्ञानिकों को एक आभासी वातावरण में अल्जाइमर या मिर्गी जैसी स्थितियों का पुनर्निर्माण करके मस्तिष्क के काम करने के तरीके का पता लगाने की एक नई विधि प्रदान करता है। वे देख सकते हैं कि क्षति तंत्रिका नेटवर्क के माध्यम से कैसे आगे बढ़ती है। इस मॉडल से अनुभूति और चेतना से संबंधित प्रक्रियाओं की भी जांच की जा सकती है। यह मॉडल संरचना और गतिविधि दोनों को दर्शाता है, जिसमें लगभग एक करोड़ स्नायु कोशिकाएं (न्यूरॉन्स), 26 अरब स्नायु कनेक्शन (सिनेप्स) और 86 जुड़े हुए मस्तिष्क क्षेत्र शामिल हैं। यह उपलब्धि फुगाकू सुपरकम्प्यूटर की वजह से संभव हुई है, जो जापान का प्रमुख सिस्टम है। यह दुनिया के सबसे तेज सुपर कम्प्यूटरों में गिना जाता है। यह सिस्टम प्रति सेकंड अरबों गणनाएं करने में सक्षम है। अमेरिका के एलन इंस्टिट्यूट के शोधकर्ताओं ने जापान की इलेक्ट्रो–कम्युनिकेशंस यूनिवर्सिटी और तीन अन्य जापानी संस्थानों की टीमों के साथ मिलकर इस परियोजना को साकार किया। विज्ञानी अब कॉर्टेक्स के इस मॉडल का उपयोग यह पता लगाने के लिए कर सकते हैं कि बीमारियां कैसे विकसित होती हैं, मस्तिष्क तरंगें ध्यान को कैसे प्रभावित करती हैं, या दौरे मस्तिष्क में कैसे फैलते हैं। पहले, इस तरह के अध्ययनों के लिए वास्तविक जैविक ऊतक की आवश्यकता होती थी और एक समय में केवल एक ही प्रयोग किया जा सकता था। अब शोधकर्ता आभासी स्थान में कई तरह के आइडिया की जांच कर सकते हैं। ये मॉडल लक्षणों के प्रकट होने से पहले ही तंत्रिका संबंधी विकारों के शुरुआती लक्षणों को उजागर करने में मदद कर सकते हैं और वैज्ञानिकों को डिजिटल सेटिंग में संभावित उपचारों या चिकित्सा पद्धतियों का मूल्यांकन करने में सक्षम बना सकते हैं। एलन इंस्टिट्यूट के शोधकर्ता, एंटोन आर्किपोव का कहना है कि हम पर्याप्त कम्प्यूटिंग शक्ति के साथ इस प्रकार के मस्तिष्क मॉडल को प्रभावी ढंग से चला सकते हैं। यह हमें विश्वास दिलाता है कि बहुत बड़े मॉडल न केवल संभव हैं, बल्कि सटीकता के साथ हासिल करने योग्य भी हैं। वैज्ञानिकों का यह प्रयास तंत्रिका विज्ञान और उन्नत कम्प्यूटिंग क्षमताओं को एक मंच पर लाया है। चूहे के डिजिटल कॉर्टेक्स को देखना वास्तविक समय में जीव विज्ञान को देखने जैसा है। वैज्ञानिकों का दीर्घकालिक लक्ष्य संपूर्ण–मस्तिष्क मॉडल बनाना है, जिसमें मानव मस्तिष्क भी शामिल है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को हाशिए पर डाला जा रहा है

अजय दीक्षित

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जैसे कांग्रेस की दुखती रग पर हाथ रख दिया है।140 वर्ष पहले की स्वतंत्रता संग्राम से निकली पार्टी 2025 में सबसे बुरे दिनों से गुजर रही है। दिग्विजय सिंह ने जैसे पूरे नेतृत्व को अयाना दिखाने का कार्य कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोटो अपने – हैंडल से डाल कर पूछा है कि क्या कांग्रेस में जमीनी लोगों के बकत है ।जबकि भारतीय जनता पार्टी ने नरेंद्र मोदी, नितिन नवीन, विष्णु दत्त शर्मा, भजनलाल, नायब सिंह सैनी, रेखा गुप्ता, देवेंद्र फडणवीस जैसे युवाओं को मुख्यमंत्री बनाया है। पहले कपिल सिब्बल, फिर गुलामनबी आजाद, शशि थरूर, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, और अब दिग्विजय सिंह की भाषा कुछ अलग तरह के संकेत दे रही है। दिग्विजय सिंह ने तो जैसे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सही ही नहीं बताया बल्कि कार्यशैली की प्रशंसा कर दी और यह भी बता दिया कि कैसे भारतीय जनता पार्टी में जमीनी लोगों की बकत है। उन्होंने एक चित्र भी साझा किया है कि नरेंद्र मोदी सरीखे लोग देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। दिग्विजय सिंह आजकल कांग्रेस की लगातार हो रही चुनाव में हार से परेशान हैं।2024 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 100 सीट जीतकर भारतीय जनता पार्टी का अश्वमेघ विजय अभियान कुछ धीमा किया था लेकिन बाद में महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, बिहार के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जो गति हुई उससे दिग्विजय सिंह को निराशा हुई। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे आदि नेताओं को वे असफल मानते हैं। उन्होंने जो फोटो पोस्ट किया वह नेतृत्व परिवर्तन की ओर इशारा करता है कि राजनीत में नई पीढ़ी को मौका देना चाहिए। इसमें भारतीय जनता पार्टी के नितिन नवीन का अध्यक्ष बनने की प्रक्रिया भी शामिल है। दिग्विजय सिंह को राजनीतिक हलकों में कांग्रेस का नीति निर्धारक मानते हैं उन्होंने कश्मीर के नेता गुलाम नवी आजाद, केरल के नेता शशि थरूर, पंजाब के सांसद मनीष तिवारी, विदेश पूर्व मंत्री आनंद शर्मा को हाशिया पर भेजना बुरा माना है।वे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, में कांग्रेस का जीर्णोद्धार चाहते हैं। 75 वर्षीय राजनेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को राजनीतिक हलकों में कांग्रेस पार्टी का थिक टैंक माना जाता है और वह मौलिक राजनेता है। उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन 1977 में एक अदने से कार्यकर्ता के रूप में शुरू किया और वे राधौगढ़ जैसी नगर पालिका में पार्षद बन कर अध्यक्ष बने। इसके बाद 1980 में राधौगढ़ से विधायक बने । तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने उन्हें सिंचाई मंत्री बनाया । पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर दिग्विजय सिंह 1993 में मप्र के मुख्यमंत्री बने और 10 वर्ष 2003 तक मुख्यमंत्री रहे ।2019 में पहलीबार लोकसभा चुनाव भोपाल से लड़े और प्रज्ञा भारती से चार लाख मतों से हार गए ।अभी मप्र से राज्य सभा सदस्य हैं ।2026 में उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है। उनके पुत्र जयवर्धन सिंह विधायक है ।अब तक यह माना जाता था कि वह गांधी परिवार के नुमांइदों में से एक है। लेकिन 2020 में मप्र में कांग्रेस सरकार 18 महीने बाद गिरने के पीछे वे भी एक कारक थे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह के हिसाब से सरकार चला रहे थे ।यह सरकार गठन के बाद से ही विवाद में इस लिए घिर गईं थी कि कुछ सीनियर विधायक मंत्री नहीं बन सके थे जबकि उनके पुत्र जयवर्धन सिंह, भांजे प्रियव्रत सिंह मंत्री बन गए थे। कमलनाथ सरकार गिरने का प्रमुख कारण यही था । लेकिन तत्कालीन समय में ज्योतिरादित्य सिंधिया की दिग्विजय सिंह के हिसाब से अनदेखी भी एक कारण थी । लड़ाई राज्यसभा को लेकर हुई क्योंकि ज्योतिरादित्य सिंधिया 2019 में लोकसभा चुनाव गुना से हार गए थे और अब वे राज्यसभा से जाना चाहते थे लेकिन उन्हें दूसरी वरीयता का टिकट दिया जिसे वे हार भी सकते थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया इसे दिग्विजय सिंह की चाल ही मानते थे क्योंकि पहले वरीयता में दिग्विजय सिंह को टिकट दिया गया था। तिलमिला कर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने 18 विधायक के साथ बगावत कर दी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनवा दी । राहुल गांधी, सोनिया गांधी,को यह बता हजम नहीं हुई तब ही से दिग्विजय सिंह उनकी नजरों से उतर गए । कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में दिग्विजय सिंह लड़ना चाहते थे मगर राहुल गांधी ने उन्हें मना कर दिया और मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाया।

वेनेजुएला के काले सोने के भंडार पर डोनाल्ड ट्रंप का जोखिम भरा दांव

के रवींद्रन

अर्थव्यवस्था के अलावा, राजनीतिक और सुरक्षा का माहौल निवेशकों के लिए हिफाजत के ट्रंप के भरोसे को परखेगा। निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए अचानक हुए सैन्य कार्रवाई और उसके बाद वेनेजुएला की तेल बिक्री पर अनिश्चितकाल तक के लिए नियंत्रण के ट्रम्प प्रशासन के दावे की दुनिया भर में कड़ी आलोचना हुई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खनिज तेल (काला सोना) के मामले में वेनेजुएला पर ज्यादा ध्यान देना, अमेरिकी नीति और वैश्विक ऊर्जा बाजार को बनाने में इस दक्षिण अमेरिकी देश की पेट्रोलियम संपदा की रणनीतिगत अहमियत को दिखाता है। दशकों से, वेनेजुएला के बड़े तेल भंडार, जो कभी उसकी अर्थव्यवस्था की नींव थे, कुप्रबंधन, पाबंदियों और अवसंरचना की कमी की वजह से खराब हो गए हैं।फिर भी ट्रंप के हालिया कामकृ सुरक्षा का भरोसा देकर दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों से वेनेजुएला लौटने को कहने से लेकर वेनेजुएला के तेल प्रवाह पर अमेरिकी नियंत्रण का दावा करने तककृ उन संसाधनों का इस्तेमाल करने की एक सोची–समझी कोशिश दिखाते हैं। अब सवाल यह है कि क्या यह दांव खनिज तेल उत्पादन को 21वीं सदी के शुरुआती लेवल, लगभग 30 लाख बैरल प्रतिदिन पर वापस ला सकता है? अगर हां, तो कितनी और किस कीमत पर?वेनेजुएला के पास किसी भी दूसरे देश से ज्यादा तेल के पक्के भंडार हैं, जिसका लगभग 303अरब बैरल है। यह आंकड़ा दुनिया भर के कच्चे तेल के भंडार का लगभग 17 प्रतिशत है, जो बड़े उत्पादक देशों को बहुत पीछे छोड़ देता है और तेल पर लंबे समय तक असर डालता है। पिछली सरकारों के तहत, जिसमें 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक की शुरुआत भी शामिल है, वेनेजुएला का कच्चे तेल का उत्पादन 30 लाख बैरल के करीब या उससे ज्यादा था, जिससे यह दुनिया के बड़े खनिज तेल निर्यातकों में से एक बन गया। आज उसका उत्पादन गिरकर 10 लाख बैरल प्रतिदिन से भी कम हो गया है, जो इसकी क्षमता का एक छोटा सा हिस्सा है, जिसे कम निवेश, राजनीतिक उथल–पुथल, पाबंदियों, और सरकारी कंपनी पेट्रोलियोसडी वेनेजुएला एस.ए. की खराब हालत ने रोका है।ट्रंप प्रशासन का तरीका भू–राजनीतिक दबदबे को निजी पूंजी के उनके आग्रह के साथ जोड़ता है। शेवरॉन, एक्सॉन मोबिल और कोनोकोफिलिप्स के कार्यपालक अधिकारियों के साथ हाल की बैठक में, ट्रंप ने वेनेजुएला की खनिज तेल सम्पदा के साथ बड़े पैमाने पर फिर से जुड़ने को बढ़ावा दिया है, उनके कार्यसंचालन के लिए श्पूरी हिफाजत और सलामतीश का वादा किया है, और अमेरिकी सरकार के पूंजी के बिना कम से कम 100 अरब डालर के औद्योगिक निवेश की अपील की है। यह पेशकश खनिज तेल उत्पादन को फिर से शुरू करने की इच्छा और अमेरिकी हितों के लिए अच्छी शर्तों पर वेनेजुएला के कच्चे तेल को वैश्विक बाजार के साथ समेकित करने की इच्छा, दोनों को दिखाती है। यह इस क्षेत्र में चीनी और रूसी प्रभाव का मुकाबला करने सहित बड़े भूराजनीतिक मकसदों को भी पूरा करता है।हालांकि, तेल कंपनियों से की गई अपील को नपी–तुली प्रतिक्रिया मिली है। शेवरॉन, जो पीडीवीएसए के साथ संयुक्त उपक्रम के ☐ारिए वेनेजुएला में चल रहे संचालन वाली एकमात्र बड़ी अमेरिकी कंपनी है, ने अगले 18–24 महीनों में शायद 50 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ाने की तैयारी जताई है, अगर नियामक और संचालन के हालात देंगे। लेकिन एक्सॉनमोबिल जैसी कंपनियां ज्यादा सावधान रही हैं, और उसके नेतृत्व ने वेनेजुएला को बड़े कानूनी और वाणिज्यिक सुधारों के बिना निवेश करने लायक नहींश बताया है। पहले हुई जब्ती और मुआवजे के अनसुलझे दावों ने एक ऐसे देश को बड़ी रकम देने को लेकर डर बनाए रखा है जो लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। वेनेजुएला को 1970 के दशक के चरम उत्पादन जैसी स्थिति में वापस लाना सिर्फ एक प्रतीकात्मक उम्मीद से कहीं ज्यादा है। यह आगे आने वाली बड़ी चुनौतियों को दिखाता है। विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा खनिज तेल क्षेत्रों और पाइप लाइनों में धीरे–धीरे सुधार अरबों डॉलर की पूंजी से किया जा सकता है, जिससे कुछ सालों में उत्पादन कई लाख बैरल प्रतिदिन बढ़ सकता है। फिर भी, 30 लाख बैरल प्रति दिन उत्पादन तक पहुंचने के लिएकृ जो मौजूदा लेवल से तीन गुना से भी ज्यादा हैकृ शायद 50अरब डालर के अनुदार अनुमान से कहीं ज्यादा लगातार निवेश की जरूरत होगी, जो शायद एक दशक या उससे ज्यादा समय में सैकड़ों अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह सिर्फ ड्रिलिंग और खनन सुविधाओं की पूंजी की कीमत को ही नहीं दिखाता, बल्कि ऊर्जा अवसंरचना, परिवहन, रखरखाव और ऊर्जा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले संस्थानिकतानेबाने में बड़े बदलाव की जरूरत को भी दिखाता है।वेनेजुएला के कच्चे तेल की प्रकृति इसे और मुश्किल बनाता है। देश का ज्यादातर तेल भारी और खट्टा होता है, जिसके लिए घोलक रसायन और खास परिष्करण क्षमता की जरूरत होती है। हालांकि अमेरिकी खाड़ी तट के परिष्करण संयंत्र ऐसी श्रेणी को प्रसंस्कृत करने के लिए काफी अच्छी तरह से तैयार हैं, लेकिन भारी खनिज तेल की अर्थव्यवस्था दूसरी जगहों पर बनने वाले हल्के विकल्पों की तुलना में कम आकर्षक हैं। यह कारक, वैश्विक खनिज तेल की अस्थिर कीमतों और दूसरे इलाकों से प्रतिस्पर्धी आपूर्ति के

साथ मिलकर, बड़ी तेल कंपनियों के लिए बिना किसी पक्की गारंटी और स्थिर वाणिज्यिक शर्तों के वेनेजुएला की गहरी समस्याओं में उतरने के लिए अल्पावधि वित्तीय प्रोत्साहन को कमजोर करता है। अर्थव्यवस्था के अलावा, राजनीतिक और सुरक्षा का माहौल निवेशकों के लिए हिफाजत के ट्रंप के भरोसे को परखेगा। निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए अचानक हुए सैन्य कार्रवाई और उसके बाद वेनेजुएला की तेल बिक्री पर अनिश्चितकाल तक के लिए नियंत्रण के ट्रम्प प्रशासन के दावे की दुनिया भर में कड़ी आलोचना हुई है। क्षेत्रीय नेता और अन्तरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक चेतावनी देते हैं कि इस तरह के दखल सम्प्रभुता को कमजोर करते हैं और पहले से ही कमजोर देश को अस्थिर करने का जोखिम उठाते हैं। जहां ट्रंप इस कदम को वेनेजुएला के लोगों के लिए फायदेमंद और ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता बताते हैं, वहीं आलोचक इसे अनिश्चित नतीजों के साथ एक सामरिक संसाधन हड़पने के रूप में देखते हैं। अंदरूनी तौर पर, वेनेजुएला ढांचागत चुनौतियों का सामना कर रहा है। कई रुकावटें हैं जिन्हें सिर्फ बाहरी पूंजी से हल नहीं किया जा सकता। दशकों तक कम निवेश और राजनीतिक दखलअंदाजी ने उस विशेषज्ञता और आवसंरचना को कमजोर कर दिया है जो कभी पीडीनीएसए के कार्यसंचालन के आधार थे। लगातार बिजली कटौती, ईंधन की कमी और बार–बार रिफाइनरी खराब होना सिस्टम की गहरी नाकामियों के लक्षण हैं जिनसे निवेशकों को निपटना होगा। मजबूत प्रशासनिक सुधारों और भरोसेमंद कानूनी सुरक्षा के बिना, बहुराष्ट्रीय कंपनियां पूरे औद्योगिक पुनर्जागरण के लिए जरूरी संसाधनों का निवेश करने में हिचकिचा सकती हैं।

मित्रता सोचकर करें क्योंकि एक गलत कदम पूरे जीवन को कर सकता है प्रभावित : राज्यपाल

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं, विशेषकर छात्राओं को सीख देते हुए कहा कि इस उम्र में मित्रता बहुत सोच–समझकर करनी चाहिए, आपकी मित्रता का असर आपके कॅरिअर व जीवन को न प्रभावित कर दे। क्योंकि आपका एक गलत कदम पूरे जीवन को प्रभावित कर सकता है। वे सोमवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज में बीटेक पहले सत्र का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहीं थीं। राज्यपाल ने कहा कि विवेकानंद जी युवाओं को राष्ट्र की ऊर्जा और भविष्य मानते थे। उनका संदेश उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको, आज भी युवाओं को प्रेरणा देता है।

इसलिए उनके जीवन के बारे में सभी को पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत उन्नति तभी सार्थक है कि जब वह राष्ट्रीय विकास से जुड़ी हो। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से आह्वान किया कि वे बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप अपने पाठ्यक्रमों एवं तकनीकी कार्यक्रमों को निरंतर अपडेट करें। राज्यपाल ने कहा कि स्वच्छता अभियान, डिजिटल पेमेंट, एक पेड़ मां के नाम और विकसित भारत जैसे अभियानों की सफलता देश की एकजुट चेतना और साझा संकल्प का परिणाम है। भारत आज रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होकर तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल ने एकेटीयू को नैक द्वारा ए प्लस ग्रेड प्राप्त होने पर बधाई देते हुए इसे आठ वर्षों में विश्वविद्यालय की बड़ी उपलब्धि बताया। प्रोजेक्ट तैयार कर बजट का सदुपयोग किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में राज्यपाल ने आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग के डॉ. आंजनेय शर्मा व आर्किटेक्ट निशांत उपाध्याय द्वारा लिखी किताब बुंदेलखंड गार्डन तथा एरा फाउंडेशन द्वारा बीटेक छात्रों के लिए तैयार पाठ्यक्रम की बुकलेट का विमोचन किया। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय एआई यूनिवर्सिटी बनने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है। सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज के निदेशक प्रो. वीरेंद्र पाठक ने केंद्र की अब तक की प्रगति की प्रस्तुति दी। राज्यपाल की उपस्थिति में एकेटीयू व बंगलूरू स्थित संस्था जेनक्स स्पेस के बीच स्पेश टेक्नोलॉजी पर आधारित एमओयू हुआ।

गांव को विकसित करने का प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प : किरण रिजिजू

लखनऊ, (संवाददाता)। मनरेगा से बनी योजना वीबी–जीरामजी (विकसित भारत– गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण) की जानकारी देने के लिए केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू लखनऊ आए हुए हैं। मीडिया से बातचीत में कहा, योजना के तहत भारत के ग्रामीण को विकसित बनाने

के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लिया है, इसी को लिए यहां एक कार्यक्रम है और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के साथ एक बैठक भी है। किरण रिजिजू इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पीसी करेंगे। यहां से लोगों को बताया जाएगा कि मनरेगा से वीबी–जीरामजी में क्या फर्क आने वाला है। बता दें कि भारतीय जानता पार्टी की संगठनात्मक बैठक में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में बैठक होगी।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस से मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में सोमवार की रात पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। आगे की कार्रवाई की जा रही है। मुठभेड़ मिश्रौलिया पुलिस चौकी क्षेत्र में हुई। कार्रवाई कोतवाली नगर पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दौलत खान (32) पुत्र रहमत खान के रूप में हुई है। यह बरेली जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र के महोलिया गांव का रहने वाला है। इसके कब्जे से चोरी की एक बाइक, 40 हजार रुपये नकद, चांदी के आभूषण और एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है। इसके खिलाफ विभिन्न जिलों में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें एनडीपीएस एक्ट, पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म, अपहरण, लूट व बीएनएस की धाराएं शामिल हैं। गोंडा के कोतवाली नगर व कोतवाली देहात थानों में भी कई मुकदमे पंजीकृत हैं। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। घायल अभियुक्त को उपचार के बाद न्यायालय में पेश किया जाएगा।

भविष्य में युवा कंधों पर होगा देश का भविष्य : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारत का इतिहास बहुत ही स्वर्णिम रहा है। यदि हम अपनी संस्कृति पर विचार करें तो पाएंगे कि भारत ने विश्व को हर क्षेत्र में जरूरी योगदान दिया है। जिस तरह से स्वामी विवेकानंद भी मानते थे कि भविष्य में युवाओं के कंधे पर देश का भविष्य होगा। उसी प्रकार युवाओं को भी एक निर्धारित लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। मौका था सोमवार को बीबीएयू में राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का। विवि के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। इससे पहले विवि में बीबीएयू में स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन हुआ जिसे उप मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाई।

स्वदेशी जागरूकता के लिए 40 जनपदों में जाएगी संकल्प यात्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वदेशी जागरण मंच और अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की ओर से सोमवार को चारबाग स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा से स्वदेशी संकल्प यात्रा की शुरुआत हुई। राष्ट्रीय युवा दिवस पर शुरू हुई इस यात्रा का शुभारंभ स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठन मंत्री काश्मीरी लाल और भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने किया। दोनों नेताओं ने बताया कि स्वदेशी संकल्प यात्रा बाराबंकी होते हुए रात में अयोध्या में प्रवास करेगी। 20 दिन तक चलने वाली यात्रा का नेतृत्व स्वदेशी जागरण मंच के पूर्वी क्षेत्र के संगठन मंत्री अनुपम श्रीवास्तव कर रहे हैं। प्रदेश के 40 जनपदों में यात्रा भ्रमण करेगी। समापन एक फरवरी को हरदोई में किया जाएगा।

महाकुंभ में साइबर हमलों को ध्वस्त करने में कमांड सेंटर की रही अहम भूमिका, 60 लाख हमले किए थे नाकाम

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के प्रयागराज में लगे महाकुंभ में स्थापित किए गए इंटिग्रेटेड कमांड सेंटर(आईसीसीसी) ने 60 लाख साइबर हमलों को रोका था। प्रदेश सरकार की तरफ से इस संबंध में सोमवार को जानकारी साझा की गई। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कमांड सेंटर की साइबर हमलों को ध्वस्त करने में कितनी अहम भूमिका रही। यूपी पुलिस के इस कमांड सेंटर को हाल में प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड से नवाजा भी गया है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि महाकुंभ–25 ने देश–दुनिया में अपनी भव्यता और सुचारू प्रबंधन के लिए सराहना बटोरी। 45 दिनों तक चले इस आयोजन में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इसमें यूपी पुलिस के आईसीसीसी ने बहुत ही अहम

भूमिका निभाई। सेंटर ने न केवल जमीन पर भीड़ को नियंत्रित किया बल्कि एक्सपर्ट्स की टीमों ने साइबर अपराधियों के मंसूबों को भी नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें आईआईटी कानपुर व ट्रिपल आईटी इलाहाबाद के विशेषज्ञों की भूमिका अहम रही। तत्कालीन एडीजी जोन प्रयागराज (वर्तमान एडीजी मेरठ) आईपीएस भानु भास्कर ने बताया कि महाकुंभ की टेक–तैनाती में 56 साइबर वॉरियर्स मॉनिटरिंग में भूमिका निभा रहे थे। जिन्होंने डिजिटल सेफ्टी को सुनिश्चित किया। खास बात ये रही कि साइबर–डिफेंस को केवल "आईटी–इश्यू" नहीं माना बल्कि इसे भीड़–प्रबंधन, इमरजेंसी–रिस्पॉन्स और पब्लिक–ट्रस्ट से सीधे जोड़कर देखा गया। यही वजह रही कि किसी भी तरह की कोई अफवाह या गलत सूचना नहीं फैली। कमांड सेंटर के जरिये अलग–अलग विभागों के बीच समन्वय बनाने में भूमिका निभाई।

हाईवे पर अभय सिंह ने पंकज चौधरी पर की फूलों की बारिश, मायने तलाश रहे सियासी पंडित

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी सोमवार को राजधानी लखनऊ से अवध क्षेत्र की यात्रा करते हुए रामनगरी अयोध्या पहुंचे। इस दौरान सपा से निष्कासित गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह ने एक अलग ही अंदाज में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया अभय सिंह ने उनके स्वागत में जुबेर गंज बाजार के पास हाईवे के दोनों और लाइन से 12 से अधिक बुलडोजर खड़े किए। पंकज चौधरी के पहुंचते ही बुलडोजर से उन पर पुष्प वर्षा की गई। अलग–अलग बुलडोजर पर खड़े किए गए कार्यकर्ताओं ने जमकर फूल बरसाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या से 2027 के विधानसभा चुनाव अभियान का शंखनाद कर दिया है। सोमवार को जिले की सीमा पर पहुंचे पंकज चौधरी का पूर्व सांसद लल्लू

सिंह, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह और रुदौली विधायक रामचंद्र यादव के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता को संबोधित करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को देश के सबसे बड़े प्रदेश का मुखिया बनाया है, इसके लिए मैं केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। जितना प्यार दुलार आप लोगों ने दिया है, इसका कर्ज 2027 के चुनाव में उतारूंगा और मोदी योगी के नेतृत्व में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी।

संक्षिप्त खबरें

स्वामी विवेकानंद को किया याद

लखनऊ, (संवाददाता)। एमिटी यूनिवर्सिटी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से राष्ट्रीय युवा दिवस पर सोमवार को कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर स्वामी विवेकानंद के विचारों के विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। एमिटी के वाइस चांसलर प्रो. अनिल वशिष्ठ, विंग कमांडर प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार तिवारी, एमिटी लॉ के निदेशक डॉ. तपन कुमार चंडोला ने अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की ओर से भाषण, नाट्य प्रस्तुति, पोस्टर प्रदर्शनी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं।

विवेकानंद के एक ही विचार के अनुसरण से हो सकता है बड़ा बदलाव

लखनऊ, (संवाददाता)। 1090 चौराहे के पास जियामऊ स्थित संवाद केंद्र में सोमवार को युवराष्ट्र संस्था की ओर से स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत विषय पर संगोष्ठी हुई। वक्ताओं ने कहा कि विवेकानंद के किसी एक विचार का अनुसरण करने से बड़ा बदलाव हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र धर्म जागरण प्रमुख अभय ने कहा कि विवेकानंद ने जिस राष्ट्र का सपना देखा था उसे पूरा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि सनातन लोगों को प्रेम से मिलकर रहने का संदेश देता है। त्याग की भावना का बढ़ता है। केजीएमयू के जनरल सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एके सोनकर ने कहा कि हमारे विचार हमें आगे ले जाते हैं। विवेकानंद से यह सीख मिलती है कि जब तक जीत नहीं मिले रुकना नहीं है। अन्याय के लिए हमेशा आवाज उठाते रहना चाहिए। संयोजक अर्जुन सिंह और अशोक कुमार सिन्हा ने भी विचार रखे। सह भाग कार्यवाह सिद्धार्थ, कार्यक्रम के संयोजक अभिषेक यादव, संचालक विख्यात मिश्रा , सदस्य बृजनंदन राजू, धनंजय सिंह राणा,असीम सिंह, ईशा यादव, सर्वजीत सिंह, प्रदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए संशोधित समय सारिणी जारी कर दी है। आयोग के अनुसार अब 20 फरवरी 2026 तक पंचायतों से संबंधित निर्वाचक नामावलियों में प्राप्त सभी दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। इसके साथ ही हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार कर सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कराई जाएंगी तथा संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन और निस्तारण की कार्यवाही भी इसी अवधि में पूरी की जाएगी।राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम के तहत 21 फरवरी से 16 मार्च 2026 तक दावे और आपत्तियों के निस्तारण के बाद पूरक सूचियों के कम्प्यूटरीकरण की तैयारी की जाएगी। इसी चरण में पूरक सूचियों को मूल निर्वाचक नामावली में यथास्थान समाहित करने और आवश्यकता के अनुसार मतदान केंद्रों तथा मतदान स्थलों के निर्धारण की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।आयोग ने बताया कि 17 मार्च से 27 मार्च 2026 तक पंचायतों की मतदाता सूचियों का कम्प्यूटरीकरण कराया जाएगा।

नेशनल पीजी कॉलेज में सभी विषयों की पढ़ाई में एआई का होगा इस्तेमाल

लखनऊ, (संवाददाता)। नेशनल पीजी कॉलेज अब पढ़ाई को और आधुनिक व प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग शुरू करने जा रहा है। शुरुआत गणित और विज्ञान जैसे अहम विषयों से होगी। इस संबंध में कॉलेज की एकेडमिक काउंसिल की बैठक सोमवार को हुई, जिसमें सभी विभागाध्यक्षों ने एआई आधारित शिक्षण प्रणाली लागू करने पर अपने–अपने सुझाव रखे। बैठक में अगले पांच वर्षों की शैक्षिक विकास योजना, नए भवन निर्माण और नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत नवाचारात्मक शिक्षण पद्धतियों को लागू करने पर भी चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य देवेंद्र सिंह ने की। उन्होंने कहा कि कॉलेज में डिजिटल लर्निंग और आधुनिक तकनीक का प्रभाव जल्द दिखाई देगा। मानवशास्त्र विभाग ने पाठ्यक्रम, शोध कार्य, सामाजिक अध्ययन और विद्यार्थियों के क्षेत्रीय शोध को एआई से जोड़ने की योजना प्रस्तुत की। वहीं राजनीति विज्ञान विभाग ने समसामयिक राजनीतिक परिप्रेक्ष्य को पाठ्यक्रम से जोड़ने पर जोर दिया। अर्थशास्त्र विभाग ने एआई के जरिए आर्थिक शोध, डाटा विश्लेषण और नीति आधारित अध्ययन को और मजबूत करने की बात कही। कंप्यूटर विज्ञान विभाग एआई आधारित कोर्स, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रोग्रामिंग कौशल को और उन्नत करेगा। गणित और सांख्यिकी विभाग एआई की मदद से डाटा विश्लेषण और रिसर्च को बढ़ावा देगा।

एआई और स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन में उत्तर प्रदेश को एआई हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के नेतृत्व में आयोजित एआई एवं स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन के अवसर पर प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन की स्वतंत्र व्यावसायिक इकाई इंडियाएआई मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में एआई इकोसिस्टम को सशक्त करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।इस क्रम में इंडियाएआई मिशन और उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपी डेस्को), लखनऊ के मध्य एक समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान किया गया। यह एमओयू आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव और इंडियाएआई मिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सिंह के बीच संपन्न हुआ। यह समझौता केंद्र और राज्य सरकार के बीच तकनीकी सहयोग को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।इस अवसर पर प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने कहा कि इंडियाएआई मिशन के अंतर्गत की गई यह पहल प्रदेश के युवाओं को भविष्य के लिए आवश्यक डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कौशल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के माध्यम से युवाओं के कौशल विकास, नवाचार को बढ़ावा ।

राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 2026 का लखनऊ में शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को आधुनिक, रोजगारपरक और वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा इंडिया स्किल्स कंपटीशनदृ2026 के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में लखनऊ में आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता का सोमवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में प्रदेश के सभी 18 मंडलों से आए 464 युवाओं ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया।राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के पहले दिन लखनऊ स्थित नौ प्रमुख संस्थानों की 16 कार्यशालाओं में छह विभिन्न स्किल्स के अंतर्गत प्रतिभागियों का ओरिएंटेशन आयोजित किया गया। इस दौरान संबंधित स्किल्स के विशेषज्ञों ने युवाओं को प्रतियोगिता के प्रारूप, वर्ल्ड स्किल्स मानकों, नवीनतम तकनीकों और आधुनिक मशीनों के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को तकनीकी दक्षता बढ़ाने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए, जिससे वे आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य युवाओं को केवल प्रशिक्षण तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता युवाओं की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने का सशक्त मंच प्रदान करती है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

राष्ट्रीय बैटल डांस स्पोर्ट्स प्रतियोगिता - 2026 का भव्य समापन, क्लासिकल वर्ग में गार्गी द्विवेदी बनीं विजेता

लखनऊ, (संवाददाता)। बैटल डांस स्पोर्ट्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय बैटल डांस स्पोर्ट्स प्रतियोगितादृ2026 का समापन रविवार देर शाम संस्कृत पाठशाला महाविद्यालय, सदर बाजार में भव्य समारोह के साथ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन 10 जनवरी को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया था, जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता रहे।समापन समारोह में नन्ही बाल नृत्यांगना गार्गी द्विवेदी ने क्लासिकल वर्ग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उनकी सधी हुई भाव–भंगिमाओं और प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कक्षा दो में अध्ययनरत सिटी मोंटेसरी स्कूल की छात्रा गार्गी द्विवेदी इससे पहले भी कथक और लोकनृत्य श्रेणी में राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर कई पुरस्कार अपने नाम कर चुकी हैं।प्रतियोगिता के अन्य विजेताओं में ध्वनि मिश्रा, लावण्या काबरा, योग्या वर्मा, सांभवी अग्रवाल, स्तुति खन्ना, स्तुति मिश्रा, प्रिशा, अविका, सताक्षी, अरुणिमा, ईशित्वा, आयरा राठौर, साक्षिका पाठक, आराध्या वर्मा और अस्मिता सिंह शामिल रहीं। विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन तकनीक, प्रस्तुति, तालमेल, समन्वय और रचनात्मकता जैसे मानकों के आधार पर किया।कार्यक्रम में उत्तर

प्रदेश ओलंपिक कमिटी के सेक्रेटरी आनंदेश्वर पाण्डेय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन समिति को राष्ट्रीय स्तर की इस सफल प्रतियोगिता के लिए बधाई दी। संस्कृत पाठशाला समिति के ट्रस्टी अंकुर अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति भी समारोह को विशेष बना गई। इसके अलावा अर्जुन अवॉर्डी रचना गोविल की मौजूदगी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी और पूरे आयोजन में विशेष आकर्षण का केंद्र रही। समापन अवसर पर घोषित परिणामों में उत्तर प्रदेश को ओवरऑल चौंपियन घोषित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान शास्त्रीय नृत्य, मॉडर्न मिक्सर, फ्रीग्न और एक्रोयोगा जैसी विविधा श्रेणियों में प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।कार्यक्रम का सफल आयोजन बैटल डांस स्पोर्ट्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। आयोजन समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. बी. पंत ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों, अभिभावकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं और बच्चों में खेल व कला के प्रति रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चाइनीज मांझा न देने पर दबंगों का कहर पतंग दुकानदार समेत चार को पीटा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के रास मंडल मानिक चौक में मंगलवार देर रात चाइनीज मांझा न देने पर दबंगों ने एक पतंग दुकानदार और उसके सहयोगियों पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दुकानदार सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दुकान में जमकर तोड़फोड़ की गई, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की बात कही जा रही है। रास मंडल मानिक चौक स्थित पतंग की दुकान पर मोहम्मद कैफ (22) पतंग, डोरी और देशी मांझा बेच रहे थे। इसी दौरान तीन–चार युवक दुकान पर पहुंचे और चाइनीज मांझा की मांग करने लगे।

दुकानदार ने स्पष्ट रूप से बताया कि चाइनीज मांझा प्रतिबंधित है और उसकी बिक्री गैरकानूनी है। यह बात सुनते ही युवक गाली–गलौज करते हुए वहां से चले गए। कुछ देर बाद वे 8 से 10 की संख्या में वापस लौटे और दुकान में घुसकर मोहम्मद कैफ,(24) हसन (23) रियाज (45) मोहम्मद फजल (19)पुत्रगढ़ रियाज सहित चार लोगों पर ईंट, पत्थर, लाठी–डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इतना ही नहीं, हमलावरों ने दुकान में रखे सामान को तोड़–फोड़ कर नष्ट कर दिया, जिससे दुकानदार को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सिपाह आलोक कुमार त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका इलाज और चिकित्सीय परीक्षण किया गया। इस मामले को लेकर बुधवार को सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है, आरोपियों की तलाश की जा रही है। गौरतलब है कि एक ओर प्रशासन और पुलिस चाइनीज मांझा के खिलाफ सख्त अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ दबंग प्रतिबंधित मांझा न मिलने पर हिंसा और तोड़फोड़ जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। बुद्धिजीवियों का मानना है कि प्रशासन के साथ–साथ समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने बच्चों और आसपास के लोगों को चाइनीज मांझे के इस्तेमाल से रोके, ताकि अनमोल जिंदगियों को बचाया जा सके।

माघ मेला क्षेत्र में खोया पर्स पुलिस द्वारा लौटाकर किया सराहनीय कार्य

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।माघ मेला क्षेत्र स्थित संगम तट पर अपने परिवार के साथ स्नान हेतु आए श्री साईं दास पुत्र बी. एम. दास, निवासी कटक, उड़ीसा का पर्स दिनांक 13.01.2026 को स्नान के दौरान संगम घाट के आसपास कहीं गिर गया। उक्त पर्स में ध्30,100ध्– नगद धनराशि एवं आवश्यक कागजात थे। काफी खोजबीन के उपरांत पर्स न मिलने पर श्री साईं दास द्वारा थाना संगम में सूचना दी गई।सूचना प्राप्त होने पर थाना संगम प्रभारी द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों एवं मेला कंट्रोल रूम को अवगत कराते हुए पर्स मिलने की स्थिति में तत्काल सूचना देने हेतु निर्देशित किया गया।इसी क्रम में ड्यूटी के दौरान भ्रमणशील संगम पुलिस टीम को घाट क्षेत्र में एक लावारिस पर्स प्राप्त हुआ। पर्स मिलने

की सूचना तत्काल थाना संगम को दी गई। थाना प्रभारी द्वारा पर्स में उपलब्ध पहचान पत्र के आधार पर संबंधित व्यक्ति से संपर्क कर उन्हें सूचित किया गया कि उनका पर्स थाना संगम, माघ मेला कार्यालय में सुरक्षित रखा गया है।तत्पश्चात श्री साईं दास एवं उनकी पत्नी थाना संगम माघ मेला कार्यालय पहुंचे, जहाँ विधिवत पहचान के उपरांत 30,100/– नगद धनराशि एवं कागजात सहित पर्स उन्हें सकुशल सुपुर्द किया गया।अपना खोया हुआ पर्स एवं धनराशि वापस पाकर श्री साईं दास एवं उनकी पत्नी द्वारा पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर श्री नीरज कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा इस कार्य को ड्यूटी के प्रति सजगता एवं ईमानदार प्रयास का उदाहरण बताते हुए थाना संगम प्रभारी एवं उनकी टीम की सराहना की गई।

संक्षिप्त खबरें

जरूरतमंद लोगों को केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने बाटा कंबल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन जौनपुर के तत्वाधान से संस्था के कार्यालय दिवाकर मेडिकल स्टोर जहांगीराबाद पर जरूरतमंदों में कम्बल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया,कार्यक्रम का संचालन संस्था के चेयरमैन शकील अहमद ने किया,दवा संगठन के प्रादेशिक एवं जिला के अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने मुख्य अतिथि जनपद के औषधि निरीक्षक रजत कुमार पाण्डेय को इस कार्यक्रम का प्रेरणा स्रोत कहते हुए आभार प्रकट किए तथा आए हुए लाभार्थीयों को आश्वस्त किए कि अनुशासन में रह कर कम्बल ले ,मुख्य अतिथि रजत कुमार पाण्डेय ने संस्था के पदाधिकारियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दिए और उपस्थित जरूरतमंदों को कम्बल का वितरण किया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक मंडल से राजेश सिंह,सोमेश्वर केसरवानी,महामंत्री बंशीधर मौर्य,कोषाध्यक्ष श्याम सिंह,कार्यवाहक अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह,कार्यवाहक महामंत्री अखिलेश श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष अमित कुमार साहू,विकास गुप्ता,पी आर ओ अवधेश्वर केसरवानी,संयुक्त मंत्री महेश पांडे,प्रशांत सिंह,श्याम गुप्ता,ऑडिटर सुनील गुप्ता,कन्वीनर वेटनरी विनय गुप्ता,ऑफिस सेक्रेटरी रामकृपाल जायसवाल,मीडिया प्रभारी अखिलेश प्रजापति,जनपद के वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र मिश्रा विराट , दीपक श्रीवास्तव,एवं ड्रग बाबू सोहेल उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा माह के तहत आरटीओ विभाग ने चलाये कई कार्यक्रम

अयोध्या। बुधवार को सड़क सुरक्षा माह के तहत अयोध्यादृजगदीशपुर राजमार्ग स्थित टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा दोपहिया चालकों में हेलमेट पहनने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने हेतु भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल की बच्चियों हेतु 25 साइकिलें तथा दोपहिया वाहन चालकों को 100 हेलमेट वितरित किए गए।उप परिवहन आयुक्त, परिक्षेत्र राजकुमार सिंह द्वारा आमजन को अवगत कराया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में हेलमेट न पहनने के कारण मृत्यु का प्रतिशत 50ः से अधिक है। उन्होंने सभी नागरिकों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा सदैव हेलमेट पहनने की अपील की। उक्त कार्यक्रम में अवनीत सिद्धार्थ, परियोजना निदेशक,एच ए आई ए आई द्वारा आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इस प्रकार के कार्यक्रम सड़क सुरक्षा के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में अत्यंत उपयोगी हैं।कार्यक्रम में विश्वजीत प्रताप सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), अयोध्याय आर. पी. सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन)य गुलाब चंद्र, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन)य एन एच ए आई के अधिकारी फिरोज खान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।इस मौके पर प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान हेलमेट ,सीट बेल्ट एवं मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन का संचालन करने पर 80 चालान किया गया।

मकर संक्रांति के अवसर पर कम्बल वितरण एवं खिचड़ी भोज का आयोजन

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। 14 जनवरी मकर संक्रांति के अवसर पर हैदरगंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत भोपा निवासी युवा समाजसेवी बृजेश यादव के द्वारा सैकड़ो महिलाओं को कम्बल वितरित किया गया और उपस्थित क्षेत्र के सम्मानित लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया कंबल पाकर महिलाओं की खुशी का ठिकाना ना रहा समाजसेवी बृजेश यादव ने बताया कि उनके द्वारा यह कार्यक्रम गरीब निराश्रितों की सेवा करना ही उनका मुख्य उद्देश्य है उन्होंने बताया कि गरीबों की सेवा करना ही हमारा परम कर्तव्य है और इसको हम आगे बढ़ाते रहेंगे क्षेत्र में लगातार हर कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर समाज की सेवा करते रहेंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता सूर्यभान सिंह और संचालन शेर बहादुर शेर ने किया कंबल वितरण के बाद खिचड़ी भोज का भी आयोजन किया गया यहां पर उपस्थित लोगों के द्वारा खिचड़ी का भी प्रसाद ग्रहण किया गयाइस मौके पर समाजसेवी बृजेश यादव के अलावा दिनेश पांडे, राम केवल यादव, रघुनाथ पांडे, बैजनाथ तिवारी, भुल्लुर यादव, राघव राम निषाद ,छोटे लाल यादव, नलनीश यादव ,सुनील भारती, राकेश यादव, राहुल यादव, राजमणि यादव, डॉ अवधेश यादव, डॉक्टर राजेश यादव, रोशन लाल गया प्रसाद, सत्य प्रकाश मिश्रा, अजय मिश्रा, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

डॉ मनीष श्रीवास्तव को प्रदेश अध्यक्ष मेडिकल प्रकोष्ठ महाराष्ट्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुम्बई अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव वरिष्ठ एडवोकेट हाईकोर्ट मुंबई ने राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश कुमार श्रीवास्तव राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट राष्ट्रीय अध्यक्ष मेडिकल प्रकोष्ठ डॉ संजय श्रीवास्तव एवं कोर कमेटी से विचार विमर्श कर डॉ मनीष श्रीवास्तव निवासी पालघर मुंबई को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 भारत को प्रदेश अध्यक्ष मेडिकल प्रकोष्ठ महाराष्ट्र मनोनीत किया गया है । डॉ मनीष श्रीवास्तव को प्रदेश अध्यक्ष मेडिकल प्रकोष्ठ महाराष्ट्र बनने पर कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव साधु, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक सक्सेना,कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव प्रदेश सचिव रविकांत श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष शशिकांत श्रीवास्तव प्रदेश युवा अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव व प्रदेश विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री सुयॉ प्रकाश श्रीवास्तव वासतव संगठन महामंत्री शैलेश श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष रवि श्रीवास्तव महिला महामंत्री श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव उपाध्यक्ष अलका श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव धर्मेंद्र श्रीवास्तव संतोष श्रीवास्तव, रमेश चन्द श्रीवास्तव, अजय वर्मा,एवं समस्त पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं बधाई दिया। उक्त आशय की जानकारी राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी संतोष श्रीवास्तव सोनू राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी अनीश श्रीवास्तव ने दिया।

संक्षिप्त खबरें

मोढ़ और मिर्जापुर की टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

भदोही, (संवाददाता)। सेवा सदन इंटर कॉलेज के मैदान में चल रहे चौंपियनशिप क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को दो मैच खेले गए। इसमें मोढ़ और मिर्जापुर की टीम जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। मंगलवार से नॉक आउट मैच शुरू हो जाएंगे। जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। सोमवार को पहले मैच में नेवादा बिहार की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। योगेश पटेल, विवेक रंजन के 21–21 रनों के सहयोग से टीम ने 15 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 130 रन बनाए। पीएसआरएस मोढ़ के गेंदबाज अविनाश यादव, कृष्णा ने 2–2 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मोढ़ की टीम से आकाश यादव 50, कृष्णा 20 के रनों की बदौलत पांच विकेट खोकर 14.1 ओवरों में लक्ष्य प्राप्त किया। नेवादा के गेंदबाज पर्थ ने तीन और गुलशन ने एक विकेट प्राप्त किया। दूसरे मैच में दर्श इलेवन खैरा मिर्जापुर की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में वत्सल तिवारी के 58, सत्यम जायसवाल 42 रनों की बदौलत 10 विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। मुंबई के गेंदबाज शिवम चार, आकाश यादव ने तीन विकेट प्राप्त किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई के बल्लेबाज सावन सिंह के 28 और सौरभ विश्वकर्मा 10 रन के बदौलत 10 विकेट खोकर 82 रन ही बना पाई।

कस्तूरबा स्कूलों में छात्राओं को मिलेंगी अब गर्म रोटियां

भदोही, (संवाददाता)। जिले के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में बेटियां को अब गर्म रोटी खाने के लिए मिलेगी। 4.25 लाख रुपये से प्रति घंटे दो हजार रोटी बनाने वाली मशीन खरीदी जाएगी। इसके साथ ही कॉमर्शियल वाशिंग मशीन और जनरेटर भी उपलब्ध कराया जाएगा। शिक्षा विभाग की ओर से टेंडर जारी कर दिया गया है। जिले में छह ब्लॉकों में पांच कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संचालित हैं। किन्हीं कारणवश पाचवीं के बाद पढ़ाई छोड़ने वाली छात्राओं को यहां प्रवेश दिलाया जाता है। दो साल पहले तक यहां पर छठवीं से आठवीं तक कक्षाएं चलती थीं, लेकिन साल 2025 से इंटर तक की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। पांचों कस्तूरबा विद्यालयों में 500 से अधिक छात्राएं पढ़ रही हैं। सभी विद्यालयों में बच्चों को गर्म भोजन परोसने के लिए पर्याप्त संख्या में रसोइयों की तैनाती के साथ ही कपड़े धोने के लिए वाशिंग मशीन की सुविधा दी जा रही है। दो लाख रुपये से कॉमर्शियल वाशिंग मशीन और 1.5 लाख रुपये से जेनरेटर खरीदने के लिए विभाग की ओर से जारी किए गए हैं। जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा) रितेश दीक्षित ने बताया कि मानक के अनुसार मशीन खरीदने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है। जल्द ही प्रक्रिया पूरी कर आपूर्ति की जाएगी।

चाइनीज मांझे की चपेट में आने से डाक्टर की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पचहटियां के पास बुधवार दोपहर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक डॉक्टर की मौत हो गई। वह हेलमेट लगाकर अपनी बाइक चला रहे थे और केराकत से किसी कार्य से जौनपुर आए थे और तत्पश्चात अपने घर केराकत की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान चाइनीज मांझे की चपेट में आने से उनकी गर्दन कट गई और मौके पर ही अत्यधिक खून बह गया। आननफानन में एम्बुलेंस के जरिए उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं चाइनीज मांझे से लगातार दूसरी मौत से प्रशासन द्वारा चाइनीज मांझे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान पर भी सवालिया निशान उठ रहे हैं। घटना से लोगों में आक्रोश है। गौरतलब हो कि एक शिक्षक की भी चाइनीज मांझा से गर्दन कटने से मौत हो चुकी है। बुधवार को केराकत तहसील

क्षेत्र के शेखजादा मोहल्ला निवासी डॉ. समीर हाशमी (25)पुत्र कपिल किसी कार्य से जौनपुर आए थे। बुधवार की दोपहर वह अपने घर जा रहे थे। वह पचहटिया में प्रसाद तिराहे के पास पहुंचे ही थे कि उनके गले में चाइनीज मांझा फंस गया और जब तक कुछ समझ पाते चाइनीज मांझे से गला कट गया। गला कटते ही वह नीचे गिर पड़े और अत्यधिक खून बहने लगा। जब तक वह कुछ समझ पाते तब तक वह अचेत हो गए। आननफानन में स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शहर गोल्डी गुप्ता ने बताया कि चाइनीज मांझे के खिलाफ अभियान जारी है। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। युवक की चाइनीज मांझे की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है।उन्होंने कहा कि यह अभियान जन अभियान है इसमें सभी लोगों को साथ आने की जरूरत है।

माघ मेले को लेकर विभिन्न रूटों पर बनेंगे होडिंग एरिया – बलवंत चौधरी

अयोध्या।माघ मेले के दौरान रामनगरी में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन के आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन फूल प्रूफ योजना बना चुकी है।इस दौरान यातायात व्यवस्था तथा अयोध्या आने–जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह के कठिनाई न हो इसके लिए पुलिस द्वारा जिले के सभी सीमा पर करियर लगाए जाएंगे और श्रद्धालुओं की रुकने के लिए होल्डिंग एरिया को चिन्हित किया गया है।इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया की अयोध्या जिले की जितनी भी सीमाएं हैं उन पर आवश्यकता अनुसार बैरियर लगाया जाएगा और पर्याप्त संख्या में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे।जिससे बढती भीड़ को भी नियंत्रित की जाएगी।बताया कि लखनऊ से आने वाले मार्ग पर रुदौली,रौनाही के अलावा जगदीशपुर की ओर से आने वाले हाईवे पर हलियापुर, इनायत

नगर तथा अंबेडकर नगर की ओर से आने वाले मार्ग पर गोसाईगंज, महाराजगंज के अलावा प्रयागराज, की ओर से आने वाले हाईवे पर कूरेभार, बीकापुर के अलावा अन्य कहीं जिलों से आने वाले मार्गो पर आवश्यकता अनुसार बैरियर लगाए जाएंगे बताया कि इस दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े इसके लिए विभिन्न रूपों पर होल्डिंग एरिया भी चिन्हित किया गया है जहां पर अधिक भीड़ को दिखाते हुए इन श्रद्धालुओं को रोका जाएगा।बताया कि होल्डिंग एरिया के लिए लखनऊ गोरखपुर मार्ग पर रौनाही थाना क्षेत्र के वशिष्ठ कुंज योजना फिरोज पुर उपरहार जुबेरगंज बाजार का मैदान, जगदीशपुर हाईवे पर इनायतनगर थाना क्षेत्र के मीठे गांव टोल प्लाजा कुचेरा, प्रयागराज हाईवे पर कोतवाली बीकापुर क्षेत्र मे कस्बा बीकापुर आर्मी ग्राउण्ड, अंबेडकर नगर हाईवे पर बच्चूलाल इंटर कालेज महाराजगंज थाना क्षेत्र पूरा बाजार व चौकी पूराबाजार के बगल आर०एच०एस० रोड पर,प्रयागराज मार्ग पर थाना पूराकलन्दर क्षेत्र के भरत कुण्ड के निकट स्थान,हैदरगंज थाना क्षेत्र में परशुराम महाविद्यालय बनाया गया है।एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि माघ मेले के दौरान आने वाले होल्डिंग एरिया पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं किसी भी तरह की परेशानी नहीं उत्पन्न होने पाएगी।

सम्पादक मण्डल जौनपुर ने शासन को भेजा 3 सूत्रीय मांग पत्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पत्रकार सुरक्षा कानून, सम्पादकों को आयुष्मान कार्ड एवं सरकारी विभागों द्वारा जारी विज्ञापनों को रोस्टरवार समाचार पत्रों को दिये जाने के संदर्भ में सम्पादक मण्डल उत्तर प्रदेश की जनपद इकाई द्वारा मुख्यमंत्री को सम्बोधित मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद सिटी मजिस्ट्रेट इन्द्रनन्दन सिंह को सौंपा गया। सम्पादक मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष एवं महासचिव के आह्वान पर जौनपुर जिलाध्यक्ष राकेशकान्त पाण्डेय के नेतृत्व में दर्जनों सम्पादकों ने जिला प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अध्यक्ष श्री पाण्डेय ने कहा कि समाचार संकलन के साथ सामाजिक बुराइयों को उजागर करने के बाबत सम्पादकों/पत्रकारों/ छायाकारों पर आये दिन हमला हो रहे हैं। इसको देखते हुये पत्रकार सुरक्षा कानून बनाया जाय, ताकि हमलावरों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही हो जिससे भविष्य में उसकी पुनरावृत्ति न हो सके। निजी संसाधनों से समाज के प्रहरी की भूमिका निभाने वाले समाचार पत्रों के सम्पादकों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाय। इसके लिये अन्त्योदय कार्ड, 70 वर्ष की अवस्था एवं राशन कार्ड पर 6 सदस्यों वाली शर्त न लागू हो। सरकारी विभागों द्वारा जारी होने वाले विज्ञापनों को सूचना विभाग या जिला प्रशासन के माध्यम से रोस्टरवार दिया जाय, ताकि समस्त समाचार पत्रों को इसका लाभ मिल सके। इसी क्रम में महासचिव डा. नौशाद अली ने कहा कि हम देश के चौथे स्तम्भ एवं मां सरस्वती के पुत्र हैं। शासन एवं जनता के बीच की धुरी हैं जो जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। हमारी सेवा, समर्पण एवं जिम्मेदारी को देखते हुये निम्नलिखित 3 मांगों को शतकृ प्रतिशत पूर्ण कराया जाय। इस अवसर पर सम्पादक आदर्श कुमार, शम्भू सिंह, डा. ब्रजेश यदुवंशी, पूर्व अध्यक्ष रामजी जायसवाल, डा. प्रमोद वाचस्पति, मंगला प्रसाद तिवारी, महेन्द्र प्रजापति, विरेन्द्र मिश्र विराट, छोटे लाल सिंह, शब्बीर हैदर, प्रदीप पाण्डेय, मकसूद सिद्दीकी, एमए सिद्दीकी, चन्द्र मोहन, अजय प्रताप पाल सहित तमाम सम्पादक मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।